सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-273**
20/06/2017

जनता के प्रति संवेदनशील और अपने किये गये वायदे के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे तो इससे लोकतंत्र और मजबूत होगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 20 जून 2017 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज नवनिर्मित प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय भवन एवं आवासीय परिसर फुलवारीशरीफ का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित समारोह का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि सबसे पहले रमजान के पवित्र महीने के अवसर पर सभी को शुभकामनायें देता हूँ। मेरे लिये यह प्रसन्नता की बात है कि रमजान के इस पवित्र महीने में नवनिर्मित प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय फुलवारीशरीफ के भवन का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। नवनिर्मित भवन काफी अच्छा बना है। शायद कोई सोच भी नहीं सकता कि प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय का भवन इतना भव्य बन सकता है। इसमें प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों के अतिरिक्त बैंक की शाखा, सभाकक्ष, न्यायालय कक्ष, स्वयं सहायता समूहों के लिये कक्ष तथा आवासीय भवन का भी प्रावधान है। अगर कोई इस भवन का ठीक ढ़ंग से तस्वीर लेकर छाप दे तो यकीन नहीं होगा कि ऐसा प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा भवन सिर्फ फुलवारीशरीफ में ही नहीं बना है बल्कि पूरे बिहार में बन रहा है। वर्ष 2013 में प्रथम चरण में 38, द्वितीय चरण में 39 और तीसरे चरण अक्टूबर में 101 प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय भवनों के निर्माण की स्वीकृति दी गयी है और इस प्रकार पूरे बिहार में इस तरह के 178 प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय भवनों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस नवनिर्मित भवन में 41 कमरे हैं और निर्मित भवन का क्षेत्रफल 58 हजार वर्गफीट है। उन्होंने कहा कि बिहार के कई जगहों पर ऐसे अनुमण्डल कार्यालय भी बने हैं, जो समाहरणालय भवनों से बेहतर हैं। उन्होंने कहा कि पटना समाहरणालय भवन की हालत खराब है। नये निर्माण को मंजूरी दे दी गयी है। उसको भी ठीक ढ़ंग से बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जैसा भवन अच्छा बन गया है तो उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि काम भी पूरी दक्षता एवं समयबद्ध तरीके के साथ निपटाया जाय। ग्रामीण विकास विभाग इस काम को और आगे ले जाय। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग बहुत सारी योजनाओं का क्रियान्वयन करता है। मनरेगा, विभिन्न प्रकार की आवास योजनायें और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का काम भी समयबद्ध तरीके से होना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सड़कों के काम के लिये तो अलग विभाग है, जो ग्रामीण कार्य विभाग के माध्यम से होता है। पंचायतों को जो अधिकार बिहार में दिये गये हैं, वह कार्य पंचायती राज विभाग द्वारा हो रहा है। केन्द्र प्रायोजित एवं राज्य संचालित योजनाओं का संचालन इन विभागों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहुत सी केन्द्र की योजनायें हैं, जिसे राज्य सरकार ने अपनी तरफ से टॉप अप कर व्यापकता प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राज्य की योजनाओं के जरिये चाहे वह ग्रामीण क्षेत्र में हो या शहरी क्षेत्र में, इसके लिये एक

निश्चित योजना है और यह सब सात निश्चय के जरिये किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गॉव हो या शहर, हर घर में नल का जल, हर घर तक पक्की गली–नाली, हर घर शौचालय एवं हर घर बिजली कनेक्शन, ये हमारे सात निश्चय के चार निश्चय हैं। बाकी तीन निश्चय में से दो निश्चय युवाओं के लिये हैं। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के लिये युवाओं को स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता भता, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में मुफ्त वाई–फाई तथा कुशल युवा कार्यक्रम के तहत युवा उद्यमियों को बढ़ाना देने के लिये वेंचर कैपिटल फंड स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि यहॉ के लोगों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाहर नहीं जाना पड़े, इसके लिए हर जिला में इंजीनियिरिंग कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक, जी0एन0एम0 कॉलेज, पारा मेडिकल कॉलेज, सभी अनुमंडलों में आई0टी0आई0 और ए0एन0एम0 कॉलेज, पॉच नये मेडिकल कॉलेज और सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग कॉलेज आदि खोले जा रहे है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावे सात निश्चय के अन्तर्गत टोला सम्पर्क योजना है। हर गॉव तक पक्की सड़क का निर्माण हो गया किंतु बहुत से ऐसे टोले हैं, जिनमें अधिकांशतः अनुसूचित जाति/जनजाति, अत्यंत पिछड़े वर्ग के लोग रहते हैं। वहॉ पक्की सड़क की सम्पर्कता नहीं हो पायी है। सात निश्चय के अन्तर्गत टोला सम्पर्क योजना की शुरूआत की गयी है। ऐसे टोले जो छूट गये हैं, उन्हें टोला सम्पर्क योजना के तहत जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि पथ निर्माण, पुल/पुलिया का निर्माण, स्वास्थ्य प्रक्षेत्र, शिक्षा प्रक्षेत्र, कृषि रोड मैप, सामाजिक सुरक्षा, कल्याण विभाग की विभिन्न योजनाओं, अनुसूचित जाति/जनजाति, महिलायें, पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, सवर्ण के गरीब तबके के लोगों की छात्रवृति एवं अन्य सहायता की योजनाओं को जारी रखते हुये हम मिशन मोड में बिहार विकास मिशन के माध्यम से सात निश्चय की योजनाओं को क्रियान्वित करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम पूरे बिहार में एक राउण्ड घूम चुके हैं। सभी जगह योजनायें क्रियान्वित की जा रही है। मुझे खुशी है कि इसमें पूरा जन सहयोग मिल रहा है और इन योजनाओं का क्रियान्वयन सिर्फ सरकारी तंत्र एवं ठेकेदारों के माध्यम से नहीं बल्कि विकेन्द्रीकृत तरीके से गॉवों में पंचायतों के माध्यम से तथा शहरों में नगर निकायों के माध्यम से हो रहा है। बड़े पैमाने पर कार्य चल रहे हैं। हर घर नल का जल, हर घर शौचालय, हर घर तक पक्की गली–नाली योजना को चार साल के अंदर पूरा करना है। जहॉ तक हर घर बिजली कनेक्शन का प्रश्न है, इसको दिसम्बर 2018 तक पूरा कर लेंगे। इस साल के अंत तक राज्य का कोई ऐसा बसावट नहीं बचेगा, जहॉ बिजली नहीं पहुॅचेगा और दिसम्बर 2018 तक हर इच्छुक व्यक्ति को बिजली कनेक्शन पहुॅचा देंगे, बस आपका सहयोग चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार का दायित्व है काम करना। जनादेश काम के लिये मिलता है। उन्होंने कहा कि वे दायित्व निभाने में कमी नहीं करेंगे और पूरी मजबूती से काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता का जनादेश, जनता की अपेक्षा के प्रति संवेदनशील रहना है। अगर जनता के प्रति संवेदनशील रहेंगे और अपने किये गये वायदे के प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे तो इससे लोकतंत्र और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि देश के सामने अनेक चुनौती है। हमें आगे बढ़ना है, आगे बढ़ने का मतलब चंद लोग नहीं बल्कि पूरे देश को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि विकास का मतलब समावेशी विकास है, न्याय के साथ विकास, हर तबके का विकास। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकारों को विकास के लिये जनादेश मिलता है और उसमें परस्पर सहयोग होना चाहिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस प्रकार गंगा नदी में गाद बनता जा रहा है, वह गंभीर चिंता का विषय है। गंगा नदी की अविरलता के लिये वे शुरू से आवाज उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि गंगा की अविरलता नहीं रही तो निमर्लता का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया सकता। उन्होंने कहा

कि केन्द्र की योजनाओं में राज्य सरकार की ओर से पूरा सहयोग दिया जा रहा है। राज्य सरकार की योजनाओं पर भी केन्द्र को संवेदनशील होना चाहिये, तभी विकास संभव हो सकेगा। उन्होंने घोषणा की कि फुलवारीशरीफ में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय भवन का निर्माण भी होगा।

केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामकृपाल यादव एवं स्थानीय विधायक श्री श्याम रजक की फुलवारीशरीफ में अवस्थित तालाब के जीर्णोद्धार संबंधित मॉग पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि फुलवारीशरीफ के तालाब का बहुत ही अच्छे ढ़ंग से जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य कराया जायेगा और वहॉ पाथ–वे बनाकर चम्पा एवं पाइकस का पेड़ लगाया जायेगा। उन्होंने पटना प्रमण्डल के आयुक्त को निर्देश दिया कि एक बार नक्शा बनाकर दिखा लेंगे और वे स्थल पर खुद आयेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब समाज शराबबंदी से नशामुक्ति की ओर जा रहा है। आपका भरपूर समर्थन मिला है और इस समर्थन को मजबूती से कायम रखियेगा। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा एवं बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरूद्ध राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के जन्म दिन 2 अक्टूबर से शराबबंदी एवं नशामुक्ति की तरह सशक्त अभियान चलाया जायेगा। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जिस शादी विवाह में दहेज लिया गया हो, उस शादी समारोह में मत जाइये, इसका तुरंत लोगों पर प्रभाव पड़ेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने फुलवारीशरीफ प्रखण्ड परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव, केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री रामकृपाल यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री श्याम रजक, जिला परिषद अध्यक्ष श्रीमती अंजू देवी, फुलवारीशरीफ की प्रखण्ड प्रमुख श्रीमती मुन्नी देवी ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर विधान पार्षद श्री चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, पूर्व विधायक श्री अरूण मॉझी, श्री आफताब आलम, अंजलि कुमारी, अन्य जन प्रतिनिधिगण, भवन निर्माण एवं पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृत लाल मीणा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, पटना प्रमण्डल के आयुक्त श्री आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, डी0आई0जी0 पटना प्रक्षेत्र श्री राजेश कुमार, ग्रामीण विकास विभाग के अपर सचिव श्री राहुल महिवाल, प्रभारी जिलाधिकारी श्री अजय कुमार सहित फुलवारीशरीफ प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

******